पत्र सूचना शाखा
(मुख्यमंत्री सूचना परिसर)
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

प्राचीनतम संस्कृति की पहचान गंगा को बचाने के लिए केन्द्र एवं राज्य सरकार मिलकर काम करेंगे : मुख्यमंत्री

गंगा भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति के विकास का माध्यम ही नहीं, बल्कि साक्षी भी है : मुख्यमंत्री

होमगार्ड्स स्वयं सेवकों के माध्यम से 25 जनपदों में सभाएं आयोजित कर जन चेतना जागृति करने का प्रयास होगा

निर्माणाधीन एस0टी0पी0 एवं आवश्यकतानुसार नई एस0टी0पी0 को प्रस्तावित कर इन्हें शीघ्र पूरा कराने का प्रयास किया जा रहा है

मुख्यमंत्री द्वारा 'नमामि गंगे जागृति यात्रा' का शुभारम्भ

लखनऊ : 09 अगस्त 2017

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि दुनिया की प्राचीनतम संस्कृति की पहचान गंगा को बचाने के लिए केन्द्र एवं राज्य सरकार मिलकर काम करेंगे। उन्होंने गंगा को भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति के विकास का माध्यम ही नहीं, बल्कि साक्षी बताते हुए कहा कि इसकी स्वच्छता एवं अविरलता बनाए रखने का दायित्व प्रत्येक नागरिक को उठाना होगा। उन्होंने आजादी के बाद गंगा की सफाई के लिए पहली बार पृथक मंत्रालय बनाने पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का आभार जताते हुए कहा कि केन्द्र की वर्तमान सरकार भावनात्मक लगाव के साथ गंगा की स्वच्छता एवं अविरलता के लिए प्रयास कर रही है।

मुख्यमंत्री जी आज यहां अपने सरकारी आवास पर होमगार्ड्स संगठन द्वारा आयोजित 'नमामि गंगे जागृति यात्रा' के शुभारम्भ अवसर पर अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने जनपद बिजनौर से बलिया तक प्रस्तावित इस यात्रा की सरहाना करते हुए कहा कि इससे आम जनता, व्यापारिक एवं सामाजिक संगठनों, नौजवानों, किसानों, छात्र–छात्राओं एवं पर्यावरण के प्रति जागरूक नागरिकों को 'नमामि गंगे परियोजना' से जोड़ने में सफलता मिलेगी। ज्ञातव्य है कि यात्रा के दौरान प्रदेश के गंगा प्रवाह क्षेत्र के 25 जनपदों में एक लाख

से अधिक होमगार्ड्स स्वयं सेवकों के माध्यम से सभाएं आयोजित कर जनचेतना जागृति करने का प्रयास किया जाएगा। यह यात्रा 06 सितम्बर, 2017 को समाप्त होगी।

योगी जी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी द्वारा जुलाई, 2014 में 'नमामि गंगे' परियोजना की शुरूआत की गई, जिसमें गंगोत्री से लेकर गंगा सागर तक गंगा की अविरलता को बनाए रखने के लिए 20 हजार करोड़ रुपए से अधिक का प्रावधान किया गया। प्रधानमंत्री जी के प्रयासों को गति प्रदान करने के लिए 05 जुलाई, 2017 से अभियान चलाकर 01 करोड़ 30 लाख से अधिक पौधों का रोपण किया गया। अधिकांश रोपित किए गए वृक्ष पाकड़, आम, बरगद, नीम, पीपल, अशोक आदि औषधीय एवं परम्परागत प्रजातियों से सम्बन्धित हैं। उन्होंने कहा कि 25 जनपदों के उन 1,627 ग्राम पंचायतों को खुले में शौच से मुक्त कराया गया जो, गंगा के किनारे अवस्थित हैं।

इसके साथ ही, विभिन्न टेनरियों, गन्दे नालों एवं सीवर के माध्यम से गंगा में प्रवाहित होने वाली गन्दगी को रोकने के लिए राज्य सरकार द्वारा गम्भीरता से प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि निर्माणाधीन एस0टी0पी0 एवं आवश्यकतानुसार नई एस0टी0पी0 को प्रस्तावित कर इन्हें शीघ्र पूरा कराने का काम किया जा रहा है। गंगा एवं अन्य नदियों की स्वच्छता के लिए राज्य सरकार द्वारा एक प्रभावी समाधान योजना पर कार्य किए जाने की जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि इसे केन्द्र सरकार की मदद से पूरा किया जाएगा।

मुख्यमंत्री जी ने आम जनता का आह्वाहन किया कि गंगा में किसी भी प्रकार की पूजन सामग्री एवं अन्य प्रकार के ठोस अपशिष्ट कतई न डाले जाएं। उन्होंने नागरिकों को उनकी जिम्मेदारी का ध्यान दिलाते हुए कहा कि नदियों की स्वच्छता हमारी वर्तमान एवं भावी पीढ़ी के विकास से सीधे जुड़ी है। इसलिए इस मामले में सभी को पूरी जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्य का निर्वहन करना होगा। उन्होंने गंगा के दोनों तटों पर बड़े पैमाने पर परम्परागत एवं औषाधीय पौधों के रोपण का आह्वाहन करते हुए कहा कि एक वर्ष में केन्द्र एवं राज्य सरकार तथा जनता की सहभागिता का परिणाम दिखाई पड़ने

लगेगा। उन्होंने गंगा की स्वच्छता को लेकर होमगार्ड्स संगठन द्वारा आयोजित 'नमामि गंगे जागृति यात्रा' की सराहना करते हुए कहा कि इस कार्य से संगठन के जीवन्तता का प्रमाण मिलता है। यदि उत्तर भारत में गंगा व यमुना जैसी नदियां न होती तो, यह क्षेत्र रेगिस्तान में तब्दील हो जाता। प्रकृति की कृपा से ऐसी नदियां यदि इस क्षेत्र में हैं तो, इन्हें बचाने का दायित्व भी यहां के लोगों का ही है।

योगी जी ने कहा कि राज्य सरकार सहित सभी हितधारकों को वर्ष 2019 में गंगा, यमुना एवं सरस्वती के संगम पर प्रयाग में आयोजित होने वाले अर्द्धकुम्भ तक गंगा को स्वच्छ बनाने के लिए कृतसंकल्पित होना होगा। इसके लिए युद्ध स्तर पर प्रयास करते हुए गन्दे नालों एवं अन्य प्रकार के कचड़ों को गंगा में प्रवाहित करने से रोकना होगा। बाद में मुख्यमंत्री जी ने झण्डी दिखाकर 'नमामि गंगे जागृति यात्रा' को रवाना किया।

धन्यवाद ज्ञापन होमगार्ड्स राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री अनिल राजभर ने किया।

इससे पूर्व, परमार्थ निकेतन के परमाध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी महाराज ने कहा कि मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में गंगा की स्वच्छता एवं अविरलता के लिए राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों से प्रधानमंत्री जी के मिशन को पूरा करने में सफलता मिलेगी।

इस अवसर पर नगर विकास मंत्री श्री सुरेश खन्ना, प्राविधिक शिक्षा मंत्री श्री आशुतोष टण्डन, प्रमुख सचिव होमगार्ड विभाग श्री कुमार कमलेश तथा डी0जी0 होमगार्ड डॉ0 सूर्य कुमार सहित बड़ी संख्या में अधिकारी एवं होमगार्ड्स संगठन के पदाधिकारी मौजूद थे।

————————

PN-CM-Namami Gange Jagriti Yatra-09 August, 2017